

ନୃତ୍ୟର ତାଳେ ତାଳେ ନୃତ୍ୟର ଛନ୍ଦେ
ଓହି ଆସେ ବସନ୍ତ, ଓହି ଆସେ।
କୁର୍ଯ୍ୟାଶାୟ ଢାକା ତରୁ ଆଲୋକଲମଳ ହୟେ
ନବ କିଶଲରେ ଫୁଲେ ପୁନଃ ହାସେ ॥

ବନଫୁଲ-ଆଭରଣେ ସାରା ତନୁ ଢାକିଯା
ଆଲୁଥାଲୁ ଏଲୋକେଶ ଆକାଶେ ମେଲିଯା
ପୂର୍ବାଶା ନୃତ୍ୟର ଛନ୍ଦେ ଛୁଟିଯା ଚଲେ
ସୁଶୋଭନା ପ୍ରକୃତି ମଧୁମାସେ
ଓହି ଆସେ, ବସନ୍ତ ଓହି ଆସେ ॥

ମଲରେର ଚେଟେ ଆସେ ଉଷ୍ଣ ଜଳଧି ହାସେ
ସରେ ଯାଓଯା ମଧୁରିମା ଫିରେ ଆସେ ॥

ଯାଁର ଏହି ମଧୁରିମା ଯାଁହାର ଏହି ଗରିମା
ତାହାର କଥାଟି ମନେ ସଦା ଭାସେ
ଓହି ଆସେ, ବସନ୍ତ ଓହି ଆସେ ॥

(କଲିକାତା, ୧୨ଇ ନଭେମ୍ବର, ୧୯୮୨)

ତାଳ : କାହାରବା

	୦	୧	
II	ପା ପା ପା କ୍ଷା ପା କ୍ଷା ପା ପା	ପା ଧା ପା ମା	ଗା ମା ରା ଗା
	ନ ତ୍ ତେ ର ତା ଲେ ତା ଲେ	ନ ତ୍ ତେ ର ହ ନ୍ ଦେ ୦	
I	ପା ପା ମା ମା ଗା ମା ରା ଗା	ସା ରା ଗା ମା	ଗା - - + I
	ଓ ହି ଆ ସେ ବ ସ ନ୍ ତ ଓ ହି ଆ ୦	ସେ ୦ ୦ ୦	
I	ପା ପା ପା ପା ପା ପା ପା ପା	ଗା ନା ଧା ପା	ମା ଗା ରା ଗା I
	କୁ ଯା ଶା ସ ଢା କା ତ ରୁ	ଆଲୋ ବଲ ମଲ	ହ ଯେ
I	ଗା ଗପା ମା ସା ଗା ଗା ରା ଗା	ସା ରା ଗା ମା	ଗା ରା ସା - II
	ନ ବ କି ଶ ଲ ଯେ ଫୁ ଲେ	ପୁ ନଃ ହା ୦	ମେ ୦ ୦ ୦

II পা ক্ষা পা ক্ষা | পা ক্ষা পা ক্ষা I পা না ধা পা | মা গা রা গা I
 ব ন ফু ল আ ভ র শে সা রা ত হু ঢা কি যা o
 I পা ক্ষা পা ক্ষা | পা ক্ষা পা ক্ষা I পা না ধা পা | মা গা রা গা I
 আ লু থা লু এ লো কে শ আ কা শে o মে দি যা o
 I পা পা পা ক্ষা | পা ক্ষা পা পা | পা না ধা পা | মা গা রা গা I
 পূ র বা শা ন্ত তে র ছ ন্দে ছু টি যা চ লে
 I পা পা মা মা | গা গা রা গা I সা রা গা মা | গা রা সা - II
 মু শো ভ না প্র কু তি o ম ধু মা o সে o o o
 II পা পা পা ক্ষা | পা ক্ষা পা পা | পা না ধা পা | মা গা রা গা I
 ম ল য়ে র তে উ আ সে উ ষ্ঠ ন জ ল ধি হা সে
 I গা পা মাং মা | গা মা বা গা | সা রা গা মা | গা রা সা - II
 স রে যাও যা ম ধু রি মা ফি রে আ o সে o o o
 II পা পা পা পা | পা পা পা পা | পা না ধা পা | মা মগা রা গা I
 যা র এ ই ম ধু রি মা যা হা o র এ ইগ রি মা
 I গা গপা মা মা | গা মা রা গা | সা রা গা মা | সা রা সা - III
 তা হা র ক থা টি ম নে ভা o o o সে o o o